टीएसपी के तहत पर फील्ड दिवस "शतावरी की खेती"
ग्राम गोराडा, तालुका घोघंबा, जिला पंचमहाल में आयोजित

16.02.2022, आणंद, गुजरात

आजादी का अमृत महोत्सव के एक भाग के रूप में पर फील्ड दिवस "शतावरी की खेती"16.02.2022 को ग्राम गोराडा, तालुका घोघंबा, जिला पंचमहाल में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम भाकृअनुप- औषधीय एवं सगंधीय पादप अनुसंधान निदेशालय, आणंद, गुजरात में संचालित जनजातीय उप योजना के तहत आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन भाकृअनुपऔसपाअनुनि-, आणंद के रिसोर्स पर्सन के पुष्प स्वागत के साथ हुआ और इसके बाद प्रतिभागी किसानों का पुष्प स्वागत किया गया। डॉ.के . ए .कालरीया, नोडल अधिकारी, टीएसपी, आईसीएआरडीएमएपीआर ने टीएसपी - योजना पर ध्यान केंद्रित करते हुए डीएमएपीआर, आणंद के कामकाज के बारे में जानकारी दी और कुछ महत्वपूर्ण औषधीय पौधों का परिचय दिया। उन्होंने बताया कि

कैसे शतावरी की खेती से अतिरिक्त आय प्राप्त की जा सकती है।

प्रतिभागियों को विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा लाभान्वित किया गया और डॉ .एल .पी .सारण, प्रधान वैज्ञानिक ने विपणन रणनीतियों को शामिल करते हुए शतावरी खेती की पद्धतियों को समझाया। डॉ .आर .पीमी .ना, वैज्ञानिक और डॉ .बी .बीबसाक ., वैज्ञानिक ने क्रमशः औषधीय एवं सगंधीय पौधों में रोग और उसके प्रबंधन तथा जैविक खेती की व्याख्या की। इस कार्यक्रम के दौरान एक प्रगतिशील आदिवासी किसान श्री दीतु भाई) राठवा, गोराडा के खेत में शतावरी की खेती पर एक (प्रदर्शन प्लॉट देखने की व्यवस्था की गई। इस कार्यक्रम में गोराडा और आसपास के गांवों के कुल आदिवासी किसानों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस 100 प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी पंजीकृत लाभार्थी आदिवासी प्रतिभागियोंको प्रशिक्षण किट, फेस मास्क और एक आईएसआई मार्क तिरपाल शीट)8x 6मी .वितरित की गई। कार्यक्रम का समापन श्री एस (.बीप्रजापति ., तकनीकी अधिकारी, भाकृअनुपऔसपाअनुनि-, आणंद द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ किया गया।

(स्रोत :कृषि ज्ञान प्रबंधन इकाई भाकृअनुप-औषधीय एवं सगंधीय पादप अनुसंधान निदेशालय, आणंद,गुजरात।)